पाठ - 4
क़ियामत और उसकी निशानियां

الدرس الرابع - هندي
قيام الساعة وعلاماتها

1. अल्लाह ने इस सृष्टि को हमेशा बाक़ी रहने के लिए पैदा नहीं किया है, बल्कि एक दिन ऐसा आएगा जबकि यह सृष्टि (कायनात) समाप्त हो जायेगी। यही वह दिन होगा जिसमें क़ियामत बरपा होगी। क़ियामत का बरपा होना एक ऐसी सच्चाई है जिसमें संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है। अल्लाह तआला क़ुरआन में फ़रमाता है:

وَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا لَا تَأْتِينَا السَّاعَةُ قُلْ بَلَى وَرَبِّي لَتَأْتِيَنَّكُمْ عَالِمِ الغَيْبِ لَا يَعْزُبُ عَنْهُ مِثْقَالُ ذَرَّةٍ فِي السَّمَاوَاتِ وَلَا فِي الأَرْضِ وَلَا أَصْغَرُ مِنْ ذَلِكَ وَلَا أَكْبَرُ إِلَّا فِي كِتَابٍ مُبِينٍ ﴾ [سبأ:٣]

कुफ़्फ़ार कहते हैं कि हम पर क़ियामत नहीं आयेगी, आप कह दीजिए कि मुझे मेरे रब की क़सम! वह यक़ीनन तुम पर आयेगी। (सूरह सबा आयत 3)

क़ियामत क़रीब है, क्योंकि अल्लाह तआला क़ुरआन में फ़रमाता है:

اقْتَرَبَ لِلنَّاسِ حِسَابُهُمْ وَهُمْ فِي غَفْلَةٍ مُعْرِضُونَ ﴾ [الأنبياء:١]

यानी, "लोगों के हिसाब का समय क़रीब आ गया, फिर भी वह बेख़बरी में मुंह फेरे हुए हैं।

क़ियामत का क़रीब आना इंसानों के अनुमान के एतिबार से नहीं है बल्कि वह अल्लाह के ज्ञान और दुनिया की आयु के हिसाब से है।

क़ियामत का ज्ञान ग़ैबी मामलों में से है। अल्लाह तआला ने अपने लिए ख़ास रखा है और अपनी मख़लूक़ों में से किसी को इससे अवगत नहीं कराया। अल्लाह तआला फ़रमाता है: ﴿ يَسْأَلُكَ النَّاسُ عَنِ السَّاعَةِ قُلْ إِنَّمَا عِلْمُهَا عِنْدَ اللهِ وَمَا يُدْرِيكَ لَعَلَّ السَّاعَةَ تَكُونُ قَرِيبًا ﴾

यानी, "लोग आप से क़ियामत के बारे में सवाल करते हैं। आप कह दीजिए कि उसका ज्ञान तो अल्लाह ही को है। आप को क्या ख़बर बहुत मुम्किन है कि क़ियामत बिल्कुल ही क़रीब हो।) अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने कुछ निशानियां बतायी हैं जो क़ियामत के क़रीब होने का संकेत हैं। उनमें से एक मसीह दज्जाल का ज़ाहिर होना है जो कि लोगों के लिए बहुत बड़ा फ़ित्ना होगा। अल्लाह तआला उसे बहुत से ऐसे कामों को करने का सामर्थ्य प्रदान करेगा जो प्राकृतिक नियमों के खिलाफ़ होंगे। जिससे लोग धोखे में पड़ जायेंगे। वह आसमान को आदेश देगा कि बारिश कर और वर्षा होने लगेगी। घास को आदेश देगा तो वह निकल आयेगी। मुर्दा को ज़िन्दा करेगा और उसके अलावा बहुत से अस्वभाविक काम करेगा।

अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने बताया है कि वह काना है और वह जन्नत और जहन्नम जैसी चीज़ लेकर आयेगा। वह जिसे जन्नत कहेगा वह जहन्नम होगी और जिसे जहन्नम कहेगा वह जन्नत होगी। वह चालीस दिन ज़मीन पर रहेगा, एक दिन एक साल के बराबर होगा। एक दिन एक महीने के बराबर होगा और एक दिन एक सप्ताह के बराबर होगा और शेष दिन आम दिनों जैसे होंगे और वह मक्का व मदीना छोड़कर दुनिया के तमाम हिस्सों में जायेगा।

क़ियामत की निशानियों में से ईसा अलैहिस्सलाम का अवतरित होना भी है। आप दिमश्क़ के पूरब में सफेद मिनारे पर सुबह के समय उतरेंगे जहां लोगों के साथ नमाज़ अदा करेंगे और फिर दज्जाल का पीछा करेंगे और उसे पकड़ कर मार डालेंगे। क़ियामत की निशानियों में एक निशानी सूरज का पश्चिम की तरफ़ से निकलना है। जब लोग इसे देखेंगे तो डर जायेंगे और ईमान क़ुबूल कर लेंगे। यद्यपि उस समय ईमान क़ुबूल करना लाभदायक सिद्ध नहीं होगा। इसके अलावा क़ियामत की दूसरी निशानियां भी हैं।